भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान,

खण्डवा रोड, इंदौर-452001

फाइल क्रमांक : प्रेस एवं पब्लिसिटी/प्रेस नोट/2022/31

असम की बोड़ोलैंड में होगा सोयाबीन की फसल का विस्तार, 40000 हे. तक उत्पादन की क्षमता

इंदौर, मध्यप्रदेश - भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इंदौर देश के विभिन्न क्षेत्रों में सोयाबीन उत्पादन में वृद्धि के लिए प्रमुख भूमिका निभाता आ रहा है। देश के अपारम्परिक क्षेत्रों में सोयाबीन के विस्तार हेतु की जा रही पहल के अंतर्गत संस्थान द्वारा असम की बोड़ोलैंड में सोयाबीन की खेती के प्रचार-प्रसार का कार्य प्रारम्भ किया जा रहा है। इस पहल के अंतर्गत बोड़ोलैंड क्षेत्रीय परिषद के माननीय श्री घनश्याम दास, कार्यकारी सदस्य, कृषि विभाग एवं डॉ मनोरंजन दास, निदेशक, कृषि विभाग तथा असम से पधारे अन्य प्रगतिशील किसानों द्वारा भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इंदौर का दौरा किया गया। इस दौरे में मुख्य रूप से बोड़ोलैंड क्षेत्र में किस तरह से सोयाबीन उत्पादन किया जाए इस मुद्दे पर चर्चा की गई। इसी के साथ बीज उत्पादन की प्रक्रिया के उपयोग में आने वाले विभिन्न उपकरणों के संचालन की क्रियाविधि साक्षात प्रदर्शन के माध्यम से बतायी गयी । इस बैठक में सोया आधारित खाद्य पदार्थों की संभावनाओं को देखते हुए, सोया निर्मित खाद्य सामग्रियों के विस्तार पर भी चर्चा की गयी, जिसके परिणाम स्वरूप शुरुआती दौर में 50 हे. में सोयाबीन की बोड़ोलैंड में खेती करने का निर्णय लिया गया तथा अगले पाँच वर्षों में इसका विस्तार 40,000 हे. के क्षेत्रफल तक किया जाना प्रस्तावित है । इससे बोड़ोलैंड को सोयाबीन उत्पादन करने वाले क्षेत्र के रूप में एक नवीन पहचान प्राप्त होगी। इस पहल पर प्रशंसा करते हुए संस्थान की कार्यवाहक निदेशक डॉ नीता खांडेकर ने बोड़ोलैंड क्षेत्र में सोयाबीन के उत्पादन से जुड़ी हर तरह कि संभव सहायता प्रदान करने का आश्वासन प्रदान किया। इसके साथ ही किसानों के मार्गदर्शन के लिए व्हाट्सएप ग्रुप बनाया गया, जिसका संचालन वैज्ञानिकों द्वारा किसानों को समय-समय पर जागरूक करने के लिए तथा सोयाबीन विस्तार के इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए पूर्ण रूप से संयोग प्रदान करने के लिए किया जायेगा ।

....

भा कृ अनु प
भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान
में आपका हार्दिक स्वागत है